4 | दैनिक जागरण भागलपुर, 5 दिसंबर 2017

गांव के लोगों को किया जाएगा जागरूक

झंडी दिखाकर गांव से गांव जोड़ों अभियान रथ को रवाना करते एसडीपीओ व अन्य ● जागरण

संवाद सहयोगी, किशनगंज : बाल विवाह और मानव व्यापार सभ्य और सुशिक्षित समाज की राह में सबसे बड़ी रूकावट बन कर खड़ी है। जिसके कारण आज भी स्कूल जाने वाली लड़कियों की संख्या जरूरत के अनुरूप नहीं बढ़ पा रही है। गरीबी के दलदल में फंसे लोग अपने छोटे-छोटे बच्चों पर ध्यान नही दे पाते हैं। जबकि जरुरत इस बात की है कि समाज के लोग जागरूक हो और बाल विवाह और मानव व्यापार पर पूर्ण रूप से अंकुश लगाने में अपना सहयोग दे। सोमवार को एसडीपीओ कामिनी बाला ने खगड़ा स्थित अनुमंडल कार्यालय परिसर में 16 डे एक्टिविज्म कार्यक्रम के तहत गांव से गांव जोड़ो अभियान रथ को हरी झंडी दिखा कर रवाना करने से पूर्व कही।

उन्होंने कहा कि बाल विवाह और मानव व्यापार पर अंकुश लगाने के लिए जरूरी है कि गांव से गांव को जोड़ा जाए। जब एक गांव से दूसरे गांव के लोग जुड़ेंगे। तभी वह अपने विचारों का आदान प्रदान कर अपने लिए राहें आसान बना सकते हैं। बालिकाओं के लिए जरूरी है कि वह स्कूल अवश्य जाए और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ग्रहण कर महिला सशक्तिकरण की दिशा में अपनी राह बढ़ाए।

वहीं राहत संस्था की संचालिका डॉ. फरजाना बेगम ने कहा कि यह एक्टिविज्म 10 दिसंबर तक चलेगा। इस क्रम में सभी प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर लोगों को जागरूक करेंगे। साथ ही विभिन्न् चौक चौराहों पर नुक्कड़ नाटक और वाद विवाद के माध्यम से लोगों में जागरूकता का संचार करेंगे। लागों को बताया जाएगा कि छह वर्ष से लेकर 18 वर्ष के बच्चों को परवरिश के लिए सरकार द्वारा 900 रुपये से लेकर एक हजार रुपये तक दिए जाते हैं। जिससे कि बचा पढ़ लिख कर शिक्षित बन स्वयं अपने लिए कैरियर की राह तलाश सके। इस दौरान मुख्य रूप से यासमीन, अनुपमा देवी, एखलाक, एहसानदानिश, शाहजहां और नेहाल अख्तर सहित बड़ी संख्या में पुरूष व महिलाएं मौजूद थी।

मजहब नहीं सिखाता, आपस में बैर रखना।

डॉ0 फरजाना बेगम
सचिव - राहत संस्था

किशनगंज : समाचार है कि स्थानीय नगर परिषद्, किशनगंज के सभा भवन में सर्व धर्म गुरुओं एवं विद्वानों के साथ राहत संस्था ने हिंसा मुक्त जीवन हर मनुष्य का हो, इस पर एक सेमिकार का आयोजन किया जिसकी अध्यक्षता जिला परिषद् की अध्यक्ष श्रीमती रुकैया बेगम ने की। राहत संस्था ने एक मंच तैयार कर समाज में हिंसा न हो, हिंसा नहीं सहा जाय, अगर हिंसा देखे तो हिंसा को रोकने में मदद करें। इस उद्देश्य से हर धर्म के गुरुओं से अपने–अपने विचार रखने के लिए संस्था ने आह्वान किया। कोई धर्म या मजहब नहीं कहता कि आपस में बैर रखना, नम्बर दो महिला या पुरुष हिंसा करें। सर्वप्रथम सभी मजहब के ग्रंथों में लिखा है हिंसा, जुल्म न करें। बहुत से कानून तो बनें हैं, उस पर काम भी हो रहा है। मगर देखा जाय तो उतने हिंसा भी हो रहे हैं।

राहत संस्था की सचिव डॉ0 फरजाना बेगम ने कहा कि अगर हर कोई अपने–अपने धर्म के बताये हुए रास्ते पर चले, सही अमल करे तो कमी घर में हो या समाज कभी भी कहीं पर कोई हिंसा नहीं होगा। इमारते शरिया काजी अरशद ने इस्लाम में पत्नी का क्या दर्जा है उस पर जोर दिया। जिला परिषद् अध्यक्षा श्रीमती रुकैया बेगम ने कहा कि महिलाओं पर हिंसा को रोकना है, इसके लिए सभी एकजुट हों। अधिवक्ता नरेन्द्र सिंह ने अपने 40 वर्ष के अनुभव को कानून के नजरिये से बताया।

अधिवक्ता पुष्पा झा ने घरेलू हिंसा कानून पर रौशनी डाली। कारी अयाज अहमद ने माँ–बाप पर बच्चों के लिए क्या–क्या फर्ज है उस पर रौशनी डाली। पं0 उत्तमचंद उपाध्याय ने कहा कि जहाँ नारी की पूजा होती है, वहीं देवता का वास होता है। इसलिए रुढ़िवादी विचारधारा में बदलाव होना समय की मांग है। सरदार लखविन्दर सिंह लक्खा ने कहा कि आज हम सब को वचनबद्ध होकर नारी जाति पर हो रहे अत्याचार को रोकने का प्रयत्न करना चाहिए। किसी की माँ, बहन, बेटी के साथ अत्याचार नहीं हो, यह देखना समाज की जिम्मेदारी है। फादर गाब्रियल डून्गडून्ग, कैथोलिक चर्च किशनगंज ने भी नारियों की स्थिति में सुधार को समय की मांग बताया तथा हिंसा–अत्याचार को रोकने के लिए आह्वान करने को सही बताया।

हिन्दुस्तान
पूर्णिया • बुधवार • 12 दिसंबर 2018 • 04

महिलाओं के लिए प्रेरणा बनी फरजाना

इनसे सीखें

किशनगंज | राकेश कुमार

महिला सशक्तीकरण, ह्यूमन ट्रैफिकिंग रोकने, घरेलू हिंसा रोकने, बाल विवाह रोकने, महिलाओं को उनका हक व अधिकार दिलाने के लिए उत्कृष्ट कार्य कर रही डॉ. फरजाना बेगम अब किसी परिचय की मोहताज नहीं रही।

सिर्फ किशनगंज ही नहीं कोसी व सीमांचल में भी डॉ. फरजाना बेगम का अथक कार्य से उनकी अलग पहचान बन चुकी है। डॉ. फरजाना बेगम राहत संस्था के माध्यम से महिलाओं पर होने वाली हिंसा, अत्याचार, शोषण, प्रताड़ना आदि से जुड़े लगभग दो हजार से अधिक मामलों का आपसी सुलह, काउंसिलिंग के जरिए निष्पादन कर चुकी हैं।

साथ ही सैकड़ों मासूम जिंदगी को बचाने, नाबालिग लड़कियों को देह व्यापार की दुनिया से बाहर लाकर उन्हें शिक्षित कर व समाज की मुख्यधारा से जोड़ने जैसे समाज में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए वर्ष 2007 में पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी जे अब्दुल कलाम से पुरस्कार सहित राज्य व जिला स्तर पर भी कई बार सम्मानित हो चुकी हैं।

'हिन्दुस्तान' से खास बातचीत के दौरान राहत संस्था की सचिव डॉ. फरजाना बेगम बताती हैं कि महिलाओं के हक की लड़ाई लड़ने से उन्हें आत्म संतुष्टि मिलती है। उनके जीवन का उद्देश्य ही नारी सशक्तिकरण, महिलाओं को उनका हक व अधिकार दिलाना के अलावे शोषण व प्रताड़ना के खिलाफ लड़ाई लड़ती रहेगी। उन्हे उनका अधिकार व हक की जानकारी देने में जूट गई तथा उनके परिवार को टूटने से बचाने का कार्य करने लगी।

डॉ. फरजाना बेगम।

अत्याचार सुनकर डॉ. बेगम को होती थी बेचैनी

डॉ. फरजाना बेगम कहती हैं कि लड़कियों व महिलाओं पर होने वाले अत्याचार की बात सुन कर उन्हें बैचेनी होती थी। महिलाओं पर होने वाले जुर्म के खिलाफ लड़ाई लड़ने का उन्होंने संकल्प लिया। मैट्रिक के बाद कॉलेज की शिक्षा हासिल करने के बाद वे सीधी तौर पर महिलाओं के हक व अधिकार दिलाने के लिए महिलाओं के बीच जाने लगी।

भटकी लड़कियों को बनाया आत्मनिर्भर

कई वर्षों तक यह सिलसिला चलता रहा। वर्ष 2005 में उन्होंने राहत संस्था खोलकर लड़कियों व महिलाओं को स्वरोजगार की ट्रेनिंग भी देने लगी। गलत रास्ते पर जाने वाली या भटकी हुई लड़की व महिलाओं को कठिन परिस्थिति में स्वरोजगार के जरिए आत्मनिर्भर बनाने का भी जिम्मा उठाया। समय के साथ डॉ. फरजाना बेगम का कार्य व उनकी काबिलियत देख महिला हेल्पलाइन में उन्हें कार्य करने का मौका मिला। इस दौरान डॉ. बेगम ने सैकड़ों लड़कियों को गलत रास्ते पर जाने से रोका तथा उनकी काउंसिलिंग कर उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने व नई जिंदगी की शुरुआत में अहम भूमिका निभाती रही।

किशनगंज हिन्दुस्तान पूर्णिया • मंगलवार • 27 नवंबर 2018

मानव तस्करी रोकने के लिए सबों को होना होगा जागरूक

बीएसएफ कैंप में सोमवार को आयोजित कार्यशाला का गुब्बारा उड़ा कर शुरुआत करते बीएसएफ के डीआईजी अमृत लाल तिक्री व डॉ.फरजाना बेगम। • हिन्दुस्तान

किशनगंज | संवाददाता

मानव तस्करी रोकने के लिए सभी को जागरूक होने की आवश्यकता है। मानव व्यापार एक संवेदशील मामला है। समय-समय पर ऐसे कार्यक्रम आयोजित होने से लोगों को इससे बचने की जानकारी मिल सकेगी। सोमवार को खगड़ा सेक्टर मुख्यालय स्थित बीएसएफ के ओडिटेरियम में राहत संस्था व आई पाटर्नर के सहयोग से मानव तस्करी की रोकथाम को लेकर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला के दौरान यह बातें बीएसएफ के डीआईजी अमृत लाल तिक्री ने कही। मानव व्यापार करने पर कानून में भी कड़ी सजा का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि मानव व्यापार की रोकथाम के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम सार्थक साबित होंगे। आई पाटर्नर की कुलसीम रशिद ने कहा कि महिलाओं को अपने नेतृत्व क्षमता का विकास करना होगा। महिलाओं को अपने अधिकारों को जानना होगा। मंच संचालन राहत संस्था की सचिव डॉ. फरजाना बेगम कर रही थी। डॉ. फरजाना ने कहा कि किशनगंज जिला अन्तर्राष्ट्रीय देश की सीमा से सटे होने के कारण मानव व्यापार के दृष्किोण से संवेदशील माना गया है। महिलाओं व बच्चों का व्यापार की रोकथाम के लिए गहन जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है। कार्यशाला में जीबीएम स्कूल की बच्ची व मदरसा के बच्चों ने गीत प्रस्तुत किया। शायर मुमताज नैयर व तबरेज हासमी ने शायराना अंदाज में बीएसएफ के जवानों व स्कूली बच्चों को अपने अंदाज में क्षमता का परिचय दिया।

संवेदनशील मामला

- मानव व्यापार करने पर कानून में भी कड़ी सजा का प्रावधान
- अन्तर्राष्ट्रीय सीमा से सटे होने के कारण जिला है संवेदशील

कार्यक्रम में व्यवस्थापक की भूमिका में बीएसएफ एसआईबी

इस अवसर पर कमांडेंट सेक्टर मुख्यालय आर एस राम, टूवाईसी मनोज कुमार, डिप्टी कमांडेंट धर्मपाल सिंह, डिप्टी कमांडेंट महिपाल सिंह, डिप्टी कमांडेंट एस के शुक्ला, डिप्टी कमांडेंट जयपाल सिंह, डिप्टी कमांडेंट महेन्द्र साह, डिप्टी कामांडेंट बी मिंज, राहत संस्था के नेहाल अख्तर, आई पाटर्नर की अदिती बख्शी, राजेन्द्र कुमार विश्वास, आजाद, याशमीन, एहसान, गौरव कुमार, रियाजुद्दीन आदि मौजूद थे।

पूर्णिया, 2 अक्टूबर 2018 दैनिक जागरण

मानव तस्करी पर रोकथाम को लेकर जिलाधिकारी ने की बैठक, दिए निर्देश

संवाद सहयोगी, किशनगंज : मानव तस्करी पर रोकथाम को लेकर सोमवार को समाहरणालय सभागार में डीएम महेंद्र कुमार की अध्यक्षता में बैठक की गई। जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा आयोजित बैठक में जिला परिषद अध्यक्ष रुकिया बेगम, एसपी कुमार आशीष, डीडीसी यशपाल मीणा, एसएसबी के डिप्टी कमांडेंट कुमार सुंदरम के अलावा बाल संरक्षण इकाई से जुड़े सभी विभागीय एवं एनजीओ के पदाधिकारी मौजूद थे। इस दौरान मानव तस्करी पर रोकथाम को लेकर इससे जुड़े सभी बिंदुओं पर चर्चा की गई। जिसपर जिलाधिकारी ने बिहार बस स्टैंड व रेलवे स्टेशन पर विशेष निगरानी बरतने के उद्देश्य से एक-एक ट्रांजिट प्वाइंट बनाने का निर्णय लिया। जहां जिला बाल संरक्षण इकाई व एनजीओ कर्मी को तैनात किया जाएगा।

इसके अलावा एसएसबी को नेपाल सीमा पर दिघलबैंक व सिंघीमारी में मानव तस्करी को रोकथाम के लिए कड़ी नजर रखने का निर्देश दिया गया। ग्रामीण क्षेत्र में मानव तस्करी पर विराम लगाने के लिए प्रखंड स्तर एवं ग्राम स्तर पर जनप्रतिनिधियों एवं बुद्धिजीवीयों के साथ बैठक कर जागरूक करने का निर्णय लिया गया। साथ ही स्कूल व मदरसे के बच्चों को भी मानव तस्करी से बचने के लिए जागरूक करने को लेकर हर महीने स्कूल एवं मदरसा में बच्चों को मानव तस्करी से बचने के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन करने के निर्णय लिया गया। इसके लिए शिक्षकों को प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। जिलाधिकारी महेंद्र कुमार ने कहा कि मानव तस्करी के रोकथाम के लिए पुलिस, चाइल्ड हेल्पलाइन, महिला हेल्पलाइन समेत इससे जुड़े सभी विभाग आपस में समन्वय स्थापित करें। बैठक में मुख्य रूप से सिविल सर्जन डॉ. परशुराम प्रसाद, डीईओ विश्वनाथ साह, डीपीआरओ राघवेंद्र कुमार दीपक, जिला बाल संरक्षण इकाई निदेशक प्यारे मांझी, बाल संरक्षण पदाधिकारी प्रभात कुमार, महिला हेल्पलाइन के शशि शर्मा, राहत संस्था की सचिव डॉ. फरजान बेगम, अदनान अहमद, शमीमा व अन्य मौजूद थे।

बैठक में मौजूद डीएम, एसपी व अन्य • जागरण

पहल

- बिहार बस स्टैंड व रेलवे स्टेशन पर विशेष निगरानी बरतने का लिया निर्णय
- ग्राम स्तर तक जनप्रतिनिधियों एवं बुद्धिजीवीयों के साथ की जाएगी बैठक

जिला बाल संरक्षण समिति की बैठक सम्पन्न

निरीक्षण समिति का गठन कर नियम की जानकारी देने के लिए देंगे प्रशिक्षण

भास्कर न्यूज | किशनगंज

डीआरडीए स्थित रचना भवन में शनिवार को जिला बाल संरक्षण समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में समाज कल्याण निदेशालय की प्रमुख योजनाओं यथा परवरिश योजना, मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना सहित अन्य कई योजनाओं पर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला परिषद की अध्यक्ष रूकैया बेगम ने किया।

उन्होंने कहा कि बाल संरक्षण इकाई का समाज के प्रति काफी दायित्व है। खासकर बच्चों से जुड़ी समस्याओं का निपटारा इस विभाग का सबसे महत्वपूर्ण कार्य है। बैठक में जिला निरीक्षण समिति का गठन करने पर सहमति जताई गयी है। किशोर न्याय अधिनियम 2015 पर विस्तृत चर्चा की गई। मुख्यालय डीएसपी ने बाल कल्याण पुलिस पदाधिकारी को अधिनियम की जानकारी के लिए प्रशिक्षण देने का सुझाव दिया। बाल श्रम से मुक्त कराए गए बच्चों को विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़ने के लिए संबंधित पदाधिकारी से समन्वय स्थापित कर ऐसे बच्चों को लाभान्वित करने पर सहमति बनी। अभिवंचित बच्चों के लिए शून्य से 18 वर्ष के बच्चों की देखरेख के लिए सरकार द्वारा चलायी जा रही परवरिश योजना की भी समीक्षा की गई। अनाथ व बेसहारा बच्चे जा निकटतम संबंधी के साथ रहते है। उन्हें भी प्रतिमाह एक हजार रूपये देने की पहल की गई।

रचना भवन में कार्यक्रम का उद्घाटन करती जिप अध्यक्ष व अन्य ।

बैठक में यह थे उपस्थित

जिला बाल संरक्षण इकाई की बैठक में जिला परिषद अध्यक्ष रूकैया बेगम, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी प्यारे मांझी, डीएसपी मुख्यालय पन्ना कुमार सिंह, राहत संस्था की सचिव डॉ. फरजाना बेगम, चाइल्ड लाईन के प्रतिनिधि, श्रम अधीक्षक रमण कुमार ओझा, रेल क्रॉस के सचिव मिक्की साहा सहित कई अधिकारी व संस्था के प्रतिनिधि मौजूद थे।

बाल गृह, अल्पावास व वृद्धाश्रम के लिए स्थल चयन की प्रक्रिया तेज

राज्य सरकार के निर्देश पर स्थल चयन में जुटा समाज कल्याण विभाग

- बैठक में गरमाया बालश्रम की रोकथाम का मुद्दा
- समाज कल्याण निदेशालय की प्रमुख योजनाओं की हुई समीक्षा

संवाद सहयोगी, किशनगंज : जिला बाल संरक्षण इकाई के तत्वाधान में जिला परिषद अध्यक्ष रूकिया बेगम की अध्यक्षता में शनिवार को डीआरडीए कार्यालय के सभागार में जिला बाल संरक्षण समिति की बैठक की गई। बैठक में समाज कल्याण निदेशालय की प्रमुख्य योजनाएं की समीक्षा की गई। जिसमें परवरिश योजना व मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना पर चर्चा की गई। बैठक में जिला बाल संरक्षण इकाई के निदेशक प्यारे मांझी ने कहा कि बालिका गृह में पुलिस अधीक्षक के द्वारा दो महिला कांस्टेबल को प्रतिनियुक्ति किया गया है। जबकि दो महिला कर्मी एवं एक महिला चिकित्सक का पद खाली है।

जिले में चल रहे बालिका गृह, बालक गृह, महिला अल्पावास को लेकर भी चर्चा की गई। बैठक में यह जानकारी दी गई कि ने इन केंद्रों का संचालन सरकार अब खुद करेगी। समाज कल्याण विभाग के द्वारा बालिका गृह, बाल गृह, महिला अल्पवास एवं वृद्धा आश्रम आदि के लिए तीन एकड़ जमीन की जरूरत है, जिसके लिए स्थल चयन की प्रक्रिया चल रही है। वहीं चाइल्ड लाइन के सदस्य मुजाहिद आलम ने श्रम विभाग के द्वारा श्रम विभाग के पदाधिकारियों पर बाल श्रम के रोकथाम में सहयोग नहीं करने की जानकारी दी गई। जिसपर बैठक में मौजूद सभी अधिकारियों ने श्रम विभाग के पदाधिकारी को सख्त चेतावनी दी। वहीं बाल संरक्षण इकाई के निदेशक प्यारे मांझी ने कहा कि बाल श्रम की रोकथाम के लिए धावा दल का गठन किया गया है। जिसमें चाइल्ड लाइन के सदस्य भी शामिल हैं। बाल श्रम की सूचना चाइल्ड लाइन के द्वारा दिया गया हो या अन्य किसी के द्वारा, धावा दल अविलंब कार्रवाई करेगी। उन्होंने कन्या उत्थान योजना के तहत कन्या शिशु के जन्म पर अभिभावक के खाते में दो हजार रुपये देने का प्रावधान है। बैठक में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव परिमल कुमार मोहित, डीईओ विश्वनाथ साह, बाल संरक्षण पदाधिकारी प्रभात कुमार, श्रम विभाग पदाधिकारी रमण कुमार ओझा, राहत संस्था की सचिव डॉ. फरजाना बेगम, बाल संरक्षण इकाई के अली अख्तर, अहसान अहमद, शाहीन खातून, मनोज कुमार व अन्य मौजूद थे।

दीप प्रज्ज्वलित करते जिला बाल संरक्षण इकाई के निदेशक व अन्य = जागरण

पोशाक योजना में बढ़ी राशि

बैठक में यह जानकारी दी गई कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा दो वर्ष की आयु पूरी होने पर संपूर्ण टीकाकरण कराने के लिए अभिभावक के खाते में दो हजार रुपये देने का प्रावधान है। जबकि शिक्षा विभाग द्वारा पहली से लेकर दूसरी कक्षा के लिए मुख्यमंत्री पोशाक योजना (बालिकाओं के लिए) के अंतर्गत सालाना मिलने वाली राशि को 400 से बढ़ाकर 600 किया गया है। इसी प्रकार तीसरे से लेकर पांचवीं कक्षा के लिए 500 से 700, छठी से लेकर आठवीं कक्षा के लिए 700 से 1,000 व नौवीं से लेकर 12वीं के लिए बिहार शताब्दी मुख्यमंत्री बालिका पोशाक योजना के अंतर्गत सालाना मिलने वाली एक हजार से बढ़ाकर 15 सौ किया गया है।

राजस्थान में स्टेनोग्राफर की
1, 080 से अधिक नौकरियां
विस्तृत जानकारी इस सोमवार हिन्दुस्तान में

किसानों को सरल व स्पष्ट भाषा में उर्वरक प्रबंधन की जानकारी देने पर हुई चर्चा

केवीके में बनेगी समेकित कृषि प्रणाली

खेती-किसानी

किशनगंज | नगर संवाददाता

कृषि विज्ञान केन्द्र परिसर में गुरुवार को आठवीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ. आर के सोहाने कर रहे थे।

कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलित कर की गई। बैठक में डॉ. सोहाने ने कहा कि किसानों की मिट्टी जांच कर मृदा स्वास्थ्य कार्ड के साथ विभिन्न फसलों में उर्वरक प्रबंधन की अनुशंसा सरल व स्पष्ट भाषा में किसानों को दें। ताकि किसान इस कार्ड के महत्व को समझें। छोटे किसानों के लिए समेकित कृषि प्रणाली के मॉडल को समझ कर एक लाभकारी मॉडल अपने परिक्षेत्र में बनाये। इसके लिए किसानों को कृषि विज्ञान केन्द्र में जल्द ही कृषि मॉडल देखने को मिलेगा।

बैठक

- किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड के महत्व की दें जानकारी
- छोटे किसानों के लिए बनाया जाए लाभकारी सामेकित मॉडल

केन्द्र के बड़े वैज्ञानिक व प्रधान द्वारा केन्द्र की प्रगति प्रतिवेदन को भी प्रस्तुत किया गया। इस मौके पर डीपीओ जीविका अवधेश कुमार, कृषि पदाधिकारी संत लाल साह, अग्रणी बैंक प्रबंधक मनोज तिवारी, निदेशक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण विवेकानन्द, जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ. अरविंद कुमार, सहायक कुक्कुट पदाधिकारी दिलीप कुमार, राहत संस्था की सचिव डॉ. फरजाना बेगम, बबिता कुमारी, रेखा देवी, डोमन टुडू, रामाशंकर पासवान आदि मौजूद थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. नीरज प्रकाश, डॉ. आर के चौधरी, डॉ. हेमन्त कुमार सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

गुरुवार को कृषि विज्ञान केन्द्र में आयोजित कार्यक्रम में शामिल वैज्ञानिक । • हिन्दुस्तान

जागरूकता से लगेगा जनसंख्या पर लगाम, हर व्यक्ति को शिक्षित होना होगा

जनसंख्या बढ़ा रही बेरोजगारी

विश्व जनसंख्या दिवस

किशनगंज | एक संवाददाता

शिक्षा व जागरुकता के द्वारा देश में तेजी से बढ़ रही जनसंख्या की गति धीमी की जा सकती है। इसके लिए जरुरी है कि बड़े पैमाने पर युवाओं व लोगों को जागरुक किया जाए। बढ़ती जनसंख्या की वजह से देश में कई तरह की समस्याएं उतपन्न होने लगी है। बढ़ती जनसंख्या की वजह से सबसे अधिक बेरोजगारी का दंश भी लोगों को झेलना पड़ रहा है।

उक्त बातें बुधवार को इंसान स्कूल में विश्व जनसंख्या दिवस पर आयोजित राहत संस्था व अग्रगामी इंडिया द्वारा आयोजित कार्यक्रम के दौरान राहत संस्था की सचिव डॉ. फरजाना बेगम बोल रही थी। डॉ. बेगम ने कहा कि भारत दुनिया में दूसरा सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश है। वहीं नप के उपाध्यक्ष जमशेद आलम ने कहा कि स्कूल व कॉलेज से ही युवाओं में जनसंख्या नियंत्रण के लिए जागरुकता जरुरी है।

बुधवार को विश्व जनसंख्या दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन करते अतिथि । • हिन्दुस्तान

इंसान स्कूल के डायरेक्टर शिफा सैयद हफीज ने कहा कि जनसंख्या नियंत्रण के लिए कारगार कदम उठाना चाहिए। बढ़ती जनसंख्या से देश में कई समस्या उतपन्न हो रही है।

अशिक्षा व जागरुकता के अभाव की वजह से जनसंख्या पर नियंत्रण नहीं हो रहा है। इसलिए जरुरी है कि हर व्यक्ति शिक्षित हो। कार्यक्रम में कनक लता परामर्शी, रविन्द्र कुमार अजय, नेहाल अख्तर, अनुपम, आशा, कंचन देवी, राम वचन चौहान, विभा संस्था के सुरेन्द्र प्रसाद सिंह, सचिव चंदन कुमार, मेराज दानिश, एहसान, आजाद, यासमीन व मनोज कुमार सहित कई लोग मौजूद थे।

9/3/18

प्रभात खबर

विश्व महिला दिवस

अनुमंडल कार्यालय में सेमिनार का आयोजन, जिले भर से बड़ी संख्या में शामिल हुईं महिलाएं

बैलून उड़ा महिलाओं ने लिया सशक्त होने का संकल्प

भास्कर न्यूज | किशनगंज

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को लेकर अनुमंडल कार्यालय में सेमिनार आयोजित किया गया। सेमिनार राहत संस्था के सौजन्य से किया गया। जिसका संचालन राहत संस्था की सचिव डॉ. फरजाना बेगम ने किया। सेमिनार में महिला के सशक्तिकरण पर जोर देने की बात वक्ताओं ने कही। वहीं मंचासीन महिलाओं को सम्मानित किया गया। प्रभारी एसपी को मदर टेरेसा का प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। वहीं महिलाओं के उत्थान के लिए काम करने वाली संस्था के सदस्यों को भी सम्मानित किया गया। बैलून उड़ाकर महिलाओं को जागरूक होने का संकल्प लिया गया। इस दौरान डॉ. फरजाना बेगम ने कहा कि महिलाओं के लिए सबसे ज्यादा राजनीतिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में आगे बढ़ने की जरूरत है। एसडीपीओ कामिनी बाला ने कहा कि जब महिला खुद सशक्त होंगी तभी उनका विकास हर क्षेत्र में संभव होगा। अधिवक्ता अर्चना ने कहा कि महिलाओं को पुरुषों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना चाहिए। वहीं अधिवक्ता शबनाम यास्मीन ने कहा कि महिला हर क्षेत्र में आगे है। सीख लेकर आप भी प्रगति के रास्ते आसानी से बढ़ सकते हैं। स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. तारा श्वेता ने कहा कि महिलाओं को जो दर्द है उसे बयान करें।

गुब्बारा उड़ाकर सेमिनार का शुभारंभ करतीं एसडीपीओ व अन्य।

महिलाओं को मिले हर दिन सम्मान : प्रमिला तिवारी

सामाजसेविका प्रमिला तिवारी ने बताया कि महिलाओं को सम्मान सिर्फ महिला दिवस पर ही नहीं बल्कि हर दिन मिलना चाहिए। अब महिला हर क्षेत्र में उभर कर सामने आ रही हैं। महिला पूरी तरह खुद की रक्षा और रहन सहन के लिए सक्षम है। इसे किसी के सहारे की जरूरत नहीं।

अपने अधिकार समझना जरूरी : महाश्वेता

महिला थानाध्यक्ष महाश्वेता सिन्हा ने कहा कि महिला को जागरूक कर अपने अधिकार को समझना जरूरी है। जागरूक होने से ही विकास संभव है। अपने समाज में महिलाओं को बदलाव लाने की जरूरत है। खुद निर्भर रहकर समाज को बदलने की कोशिश करें।

महिलाओं को अब एक होने की है जरूरत : पुष्पा झा

पुष्पा झा, अधिवक्ता ने कहा कि समाज की बुराइयों को मिटाने के लिए महिलाओं को एक होना पड़ेगा। यह बिना समूह बनाए संभव नहीं है। खुद की सुरक्षा करने के लिए महिलाओं को खुद दायित्व लेनी होगी। एक रहेंगे तो हम किसी भी परेशानी का डटकर सामना कर सकेंगे।

जिले की महिलाएं हो रहीं सजग, हर क्षेत्र में बढ़ रही हैं आगे

आकाश| किशनगंज

आज अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस है। जिले में धीरे ही सही लेकिन लोगों की सोच में बदलाव आ रहा है। महिलाओं में शिक्षा का स्तर लगातार बढ़ रहा है और अभिभावकों की सोच भी तेजी से बदल रही है। विभिन्न क्षेत्रों में महिलाएं अपना बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं। महिलाओं के विकास के लिए क्या जरुरी है और खुद महिलाएं इस बारे में क्या सोचतीं हैं, इन्हीं मुद्दों पर भास्कर ने महिलाओं की राय जानी। कुल मिलाकर नतीजा यही निकला कि महिला सजग हुई हैं और उनमें भी हर क्षेत्र में कंधे से कंधा मिलाकर चलने की प्रतिभा है।

शराबबंदी कानून से खुशहाली आई है : कामिनी बाला, एसडीपीओ

एसडीपीओ कामिनी बाला ने कहा कि महिलाओं की सबसे बड़ी कमजोरी साक्षरता है। अगर महिलाएं शिक्षित होकर अपने हक के लिए आगे आए कहीं कोई कठिनाई नहीं होगी। महिलाएं साक्षर होंगी तभी अपने अधिकार और कर्तव्य की जानकारी उन्हें हो सकती है। दहेज प्रथा व बाल विवाह कानून को महिलाएं समझें। अगर अत्याचार हो रहा है तो अविलंब इसकी शिकायत लिखित होकर पुलिस को दें। सरकार ने घरेलू विवाद को लेकर शराबबंदी कानून बनाया है। जिससे खुशहाली आई है।

रोजगार से जोड़ने की जरूरत : डॉ. कुमारी मीना, भाजपा उपाध्यक्ष

भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रो. मीणा ने कहा कि महिलाओं का विकास हुआ है। महिलाओं विशेषकर कामकाजी महिलाओं का सम्मान आवश्यक है। महिलाओं के लिए जो घोषणाएं हो रही है उन्हें जमीनी स्तर पर उतारा जाना आवश्यक है। सरकार महिलाओं को योग्यता के आधार पर रोजगार दे। उन्होंने कहा कि आज भी अपेक्षित सुधार की गुंजाइश है। यदि हम आज हम अपने चारों ओर देखेंगे तो महिलाएं किसी भी स्तर पर किसी से कम नहीं है।

हर दिन महिला दिवस होना चाहिए : सोनी कौशल, अधिवक्ता

अधिवक्ता सोनी कौशल ने कहा कि हर दिन महिला दिवस होना चाहिए। एक दिन का सम्मान हमें नहीं चाहिए। हर एक पुरुष दहेज मामले को खुद रोक सकता हैं। बेटी को भी बेटों जैसा माहौल और मौका दिया जाना चाहिए। कानून में इसके लिए पर्याप्त प्रावधान है। लेकिन महिलाएं भी जागरुकता के अभाव में अपने अधिकार और कर्तव्य नहीं जानती। जिले में 3-4 हेल्पलाइन होना चाहिए जिसका नेतृत्व सरकारी तंत्र को करना चाहिए।

खुदको और समाज को मजबूत करें : डॉ. फरजाना बेगम

राहत संस्था के सचिव फरजाना बेगम ने कहा कि महिला सशक्त हो रही है। महिलाओं को आर्थिक, सांस्कृतिक व राजनीतिक तौर पर सशक्त होना जरुरी है। अभिभावकों को अपने बच्चियों पर विश्वास करने की जरूरत है। अभिभावक भयभीत न रहें। महिलाओं को मानसिक स्तर पर मजबूत होने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हर घर या महिलाओं के पीछे पुलिस कर्मी नहीं रह सकते। खुद मजबूत रहें और समाज को भी करें।

नेत्र चिकित्सा शिविर में मरीजों की हुई जांच

नेत्र चिकित्सा शिविर में मौजूद चिकित्सक व मरीज ● जागरण

संवाद सहयोगी, किशनगंज : पांच दिवसीय नेत्र चिकित्सा शिविर के चौथे दिन राहत संस्था द्वारा मंगलवार को महीनगांव पंचायत में शिविर लगाए गए। इस शिविर में सैकड़ों की संख्या में नेत्र रोगी इलाज के लिए पहुंचे।

जहां इन रोगियों की निश्शुल्क जांच की गई। राहत संस्था की संचालिका डॉ. फरजाना बेगम ने बताया कि नेत्र इंसान के महत्वपूर्ण इंद्रियों में एक है। इसका स्वस्थ रहना बहुत जरूरी है। लेकिन ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले 90 फीसद लोग नेत्र रोग से पीड़ित हैं।

शिविर में अधिकतर ग्रामीण निकट दृष्टि दोष, दूर दृष्टि दोष और मोतियाबिंद, बीमारी से पीडित पाए गए। इसके अलावा आंखों में लालीपन के साथ पानी का बहना जैसे कई रोग पाए गए हैं। चिकित्सक डॉ. मुर्शरफ द्वारा 428 नेत्र रोगियों की जांच करते जरूरी दवा दिए। मोतियाबिंद के रोगी अगर चाहें तो उनका निश्शुल्क आपरेशन भी किया जाएगा।

मानव तस्करी रोकने के लिए जागरूकता जरूरी

बोले विधायक

किशनगंज | संवाददाता

राहत संस्था व आई पार्टनर के द्वारा मंगलवार को सदर प्रखंड के दौला में सिलाई केन्द्र का उद्घाटन विधायक मुजाहिद आलम ने किया। इस मौके पर विधायक श्री आलम ने कहा कि दहेज, बाल विवाह व मानव व्यापार की रोकथाम के लिए लोगों को जागरूक होने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि तलाकशुदा महिलाओं को बिहार सरकार के अल्पसंख्यक आयोग के द्वारा 25 हजार रूपये प्रोत्साहन राशि दिये जाने का प्रावधान है। उन्होने कहा कि मानव व्यापार को रोकने में राहत संस्था व आई पार्टनर अहम भूमिका निभा रही है।

राहत संस्था की सचिव डॉ. फरजाना बेगम ने कहा कि सिलाई सीख महिलाएं आत्मनिर्भर बनेगी। मानव व्यापार को रोकने के लिए महिलाओं को भी आगे आने की आवश्यकता है। उन्होने कहा कि दौला स्थित खाड़ी बस्ती में पांच तलाक शुदा महिला, 16 युवती व 6 बच्ची अब तक लापता है।

इस मौके पर मुखिया प्रतिनिधि तालिम अहमद, आई पार्टनर की अदिति, इसान कुमार राजपुत, मेराज दानिश, मास्टर शमशाद अनवर, वार्ड सदस्य सजाबूल हक, अनुपम, एहसान, गौरव, नेहाल, पालामिका, आजाद आदि मौजूद थे।

किशनगंज

बुधवार, 7 फरवरी 2018

दैनिक जागरण

दहेज प्रथा, बाल विवाह को ले जागरूकता कार्यक्रम

जागरुकता कार्यक्रम में मौजूद विधायक व अन्य। जागरण

संवाद सहयोगी, किशनगंज : समाजिक कुरीतियों को दूर करने को लेकर अब गैर सरकारी संस्थाएं भी आगे आने लगी है। मंगलवार को दौला पंचायत के खाड़ी बस्ती में राहत संस्था द्वारा दहेज प्रथा, बाल विवाह व बाल मजदूरी को लेकर जागरूकता कार्यक्रम किया गया। कोचाधामन विधायक मुजाहिद आलम ने दीप प्रज्ज्वलित कर विधिवत कार्यक्रम का उदघाटन किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है, बाल विवाह और दहेज प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ आवाज बुलंद करने की। बाल विवाह जैसी कुरीतियों का प्रतिकूल प्रभाव कम उम्र के बालक -बालिकाओं के दैनिक जीवन पर पड़ता है। इस कारण जरूरी हो गया है कि समाज से बाल विवाह और दहेज प्रथा की समाप्ति के लिए लोग मिल जुल कर काम करें। वहीं डॉ. फरजाना बेगम ने कहा कि बाल विवाह व दहेज प्रथा के उन्मूलन के लिए सरकार द्वारा अभियान चलाया गया है। इस अभियान का मकसद सभ्य समाज का निर्माण कर लोगों के जीवन को सुरक्षित करना है। ग्रामीण क्षेत्रों में पिछले दो वर्षों से बाल विवाह के खिलाफ लोगों को हमारी संस्था जागरूक कर रही है। बाल मजदूरी भी बालक-बालिकाओं के बचपन को प्रभावित करता है। इसके लिए श्रम विभाग तो कार्य कर ही रहा है। लेकिन लोगों को भी कोशिश करनी चाहिए कि अपने बच्चों को बचपन में ही मजदूर नहीं बनाएं। बल्कि उसे हर हाल में पढ़ने के लिए स्कूल भेजे।

संसू, पहाड़कटटा (किशनगंज) : प्रखंड सीमा से सटा ठाकुरगंज प्रखंड के दुधऔंटी पंचायत स्थित वार्ड संख्या 13 आदिवासी टोला बड़ासुहागी में इन दिनों महानंदा नदी का कटाव होने लगा है। जिससे ग्रामीण काफी चिंतित है। गांव से महानन्दा नदी की दूरी महज 100 फीट रह गई है।

यदि समय रहते कटाव रोधी कार्य नही कराया गया तो गांव में बसे लगभग 60 परिवारों का घर नदी के कटाव का शिकार हो सकता है। ग्रामीण गोविंद उरांव, संजय राम,पाउ सोरेन, भोदई टुडू, दिलीप हांसदा, सिरया राम, हरया राम आदि दर्जनों लोगों ने बताया कि किसानों का लगभग 40 एकड़ खेती योग्य जमीन नदी के गर्भ मे समा चुका है। जो लोग खेती कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे, आज वह मजदूरी करने को विवश है। गांव के सात परिवारों का घर नदी कटाव का भेंट चढ जाने से वे लोग दूसरी जगह पलायन कर गए हैं।

इनलोगों का कहना है कि बाढ़ से बचाव के नाम पर हर साल करोड़ों की राशि खर्च की जाती है। लेकिन आज तक जिला प्रशासन द्वारा हमारे गांव को नदी कटाव से बचाने के लिए कोई सकारात्मक पहल नही किया जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि नदी के किनारे

रजिस्ट्रेशन R.N. नं0- 33507- 79 भारत सरकार द्वारा स्वीकृत

किशनगंज की

रूपरेखा

हिन्दी साप्ताहिक समाचार - पत्र

स्कूली छात्र एवं छात्राओं के बीच एस.सी./एस.टी. स्कॉलरशिप वितरण कार्यक्रम संपन्न।

किशनगंज : एक सम्पर्क में डॉ0 फरजाना बेगम, सचिव, राहत संस्था ने रुपरेखा को बताय कि जिला स्तरीय अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति स्कालॅरशिप प्रोग्राम मीटिंग डी डब्ल्यू0 ओ0 द्वारा सभी सदस्यों जैसे एम.एल.ए., प्रोफेसर, एनजीओ प्रतिनिधि तथा पदाधिकारिय की उपस्थिति में स्कूल कॉलेज के छात्र–छात्राओं के बीच सदा मीटिंग हॉल में 3 जनवरी 201 को वितरित किया गया।

अंत में कुछ वक्ताओं द्वारा छात्र एवं छात्राओं को उत्साहित करने हेतु शिक्षा संबंधित बाते कही गयी। कार्यक्रम शांतिपूर्ण रुप से संपन्न हुआ।

प्रतियोगिता का किया आयोजन

किशनगंज। दहेज व बाल विवाह के उन्मूलन के लिए जागरूकता चलाये जाने को लेकर मंगलवार को गाछपाड़ा में राहत संस्था की ओर से गठित ग्रामीण निगरानी समिति के द्वारा विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे हांडीफोड़, दौड़, चित्रकला आदि प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

राहत संस्था की सचिव डॉ. फरजाना बेगम ने कहा कि किसी भी तरह के सूचना के लिए सूचना केन्द्र खोला जा रहा है।

जिसमे स्कूल नहीं जाने वाले बच्चों को स्कूल में पढ़ने के लिए जागरूक किया जायेगा। इस मौके पर गाछपाड़ा मुखिया नूर मोहम्मद उर्फ भूट्टो आदि मौजूद थे। **(सं.सू.)**